



Kavyanjali



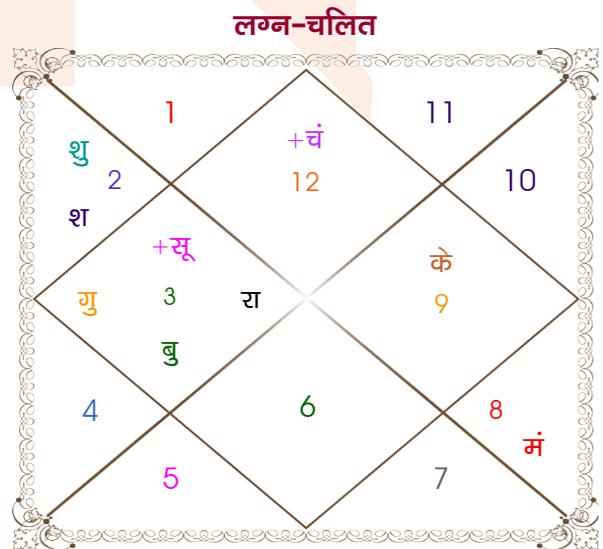
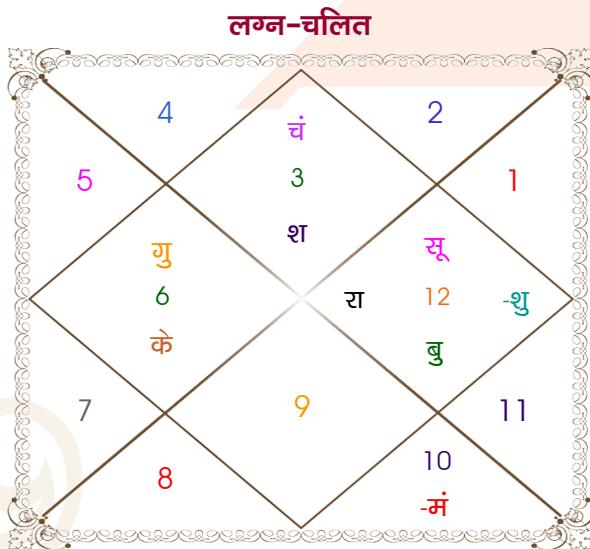
Chandrankit

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121408812

| | | |
|------------------|--------------------|----------------|
| पुल्लिंग : | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 19/03/2005 : | जन्म तिथि | 13/07/2001 |
| शनिवार : | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 13:30:00 : | जन्म समय | 23:20:00 घंटे |
| घटी 17:11:05 : | जन्म समय(घटी) | 43:35:34 घटी |
| India : | देश | India |
| Banswara : | स्थान | Banswara |
| 23:32:00 उत्तर : | अक्षांश | 23:32:00 उत्तर |
| 74:28:00 पूर्व : | रेखांश | 74:28:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:32:08 : | स्थानिक संस्कार | -00:32:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:37:34 : | सूर्योदय | 05:53:46 |
| 18:42:38 : | सूर्यास्त | 19:21:40 |
| 23:55:41 : | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:26 |

| | | | | | | | |
|---|--|--|---|--|--|--|---|
| विंशोत्तरी गुरु 14वर्ष 1मा 4दि शनि 24/04/2019 24/04/2038 | अंश 25:59:17 04:53:23 21:35:09 05:02:56 20:08:29 21:57:26 01:54:06 26:28:24 29:07:35 29:07:35 14:04:28 22:41:04 00:34:12 | राशि मिथु मीन मिथु मक मीन कन्या व मीन मिथु व मीन व कन्या व कुंभ मक धनु | ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल व बुध गुरु शुक्र शनि राहु व केतु व हर्ष व नेप व प्लूटो व | राशि मीन मिथु मीन वृश्चि मिथु मिथु वृष वृष मिथु धनु कुंभ मक वृश्चि | अंश 11:00:48 27:30:39 27:04:20 21:30:22 07:04:50 06:17:27 14:56:44 16:31:05 12:22:04 12:22:04 00:12:08 13:57:15 19:05:22 | विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 8मा 24दि शुक्र 07/04/2012 07/04/2032 | शुक्र 07/08/2015 सूर्य 06/08/2016 चन्द्र 07/04/2018 मंगल 07/06/2019 राहु 07/06/2022 गुरु 05/02/2025 शनि 07/04/2028 बुध 06/02/2031 केतु 07/04/2032 |
|---|--|--|---|--|--|--|---|



अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------------|---------|--------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण | शूद्र | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलघर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मार्जार | गज | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | गुरु | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मिथुन | मीन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.00 | | |

Kavyanjali का वर्ग मार्जार है तथा Chandrankit का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kavyanjali और Chandrankit का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Kavyanjali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kavyanjali कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Chandrankit मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Chandrankit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kavyanjali तथा Chandrankit में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

